सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-341
14/08/2017

लोगों को सहायता एवं राहत पहुँचाने के लिये जो भी कार्रवाई होगी, हमलोग करेंगे :– मुख्यमंत्री

पटना, 14 सितम्बर 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज पूर्णिया प्रमण्डल के चारों जिलों– पूर्णिया, अररिया, कटिहार एवं किशनगंज के बाढ़ प्रभावित इलाकों का विस्तृत हवाई सर्वेक्षण किया। हवाई सर्वेक्षण से लौटने के उपरांत पटना हवाई अड्डा के स्टेट हैंगर में पत्रकारों से बातचीत करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि जो इलाके बाढ़ से प्रभावित हैं, उनकी स्थिति को देखने का अवसर मिला। हवाई सर्वेक्षण का सबसे बड़ा लाभ होता है कि पूरी स्थिति की ओवरऑल जानकारी मिल जाती है और वो जानकारी इसलिये जरूरी है कि किस इलाके में रिलिफ एवं रेस्क्यू के सिलसिले में क्या करना होगा, हवाई सर्वेक्षण से पूरी स्थिति स्पष्ट हो जाती है। उन्होंने कहा कि कल से इन इलाकों में रेस्क्यू एवं रिलिफ के सारे काम किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एयरफोर्स से हमलोगों ने कल ही हेलीकॉप्टर का रिक्यिूजिशन किया और उसके माध्यम से फुड पैकेट्स एयर ड्रॉप किये जा रहे हैं। हमलोगों ने जो पूरी स्थिति को देखा है, उससे यह प्रतीत हुआ है कि बहुत ज्यादा वर्षा नेपाल और बिहार के इलाके में हुयी है। उन्होंने कहा कि पानी का प्रवाह खासकर महानंदा नदी, कनकई नदी में बहुत तेज था। हमलोगों ने जो दृश्य देखा है, उसमें गॉव में भी पानी घुसा है, सड़कें भी नष्ट हुयी है। इससे ऐसा लगता है कि फ्लैश फ्लड के बाद जो नुकसान होता है, उसी तरह का नुकसान देखने को मिला है। फ्लैश फ्लड में सर्वाधिक नुकसान होता है कि अचानक तेज गति से और ज्यादा पानी का बहाव हुआ, वह सड़कों को भी तोड़ता है, पुलों को भी नुकसान पहुँचाता है। हमलोगों ने आज देखा है कि काफी सड़कें टूटी है। पुलों पर भी हमलोगों ने कई जगह असर देखा है। यहॉ तक कि जो फोर लेन सड़क है, वहॉ भी जो महानंदा नदी के ऊपर पुल है, उसमें भी प्रिकॉशन के तौर पर ट्रैफिक को रोकना पड़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिये जो कुछ भी रिलिफ के लिये जरूरी है, वह सारा काम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आज ही हमने हवाई सर्वेक्षण के बाद आपदा प्रबंधन मंत्री सह पूर्णिया जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिनेश चन्द्र यादव, पूर्णिया के आयुक्त, प्रभारी सचिव का भी हवाई सर्वेक्षण करवाया है और कल आपदा प्रबंधन के प्रधान सचिव, पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव, ग्रामीण कार्य के सचिव को भेज रहे हैं कि वे पूरे तौर पर देख लें कि जो नुकसान हुआ है और किस तरह से काम करना है। हमने यह भी निर्देश दिया है कि कल सभी जिलाधिकारियों को भी हवाई सर्वेक्षण कराकर पूरी स्थिति को उन्हें दिखा देना चाहिये, चूँकि फिल्ड में उनको काम करना है। उन्होंने कहा कि हवाई सर्वेक्षण से सब चीजों का एहसास हो जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सारा काम होगा, रिलिफ कैम्प भी चलेगा और कई जगहों पर जहॉ लोग रिलिफ कैम्प में रहना पसंद नहीं करते हैं, उनके लिये भोजन का इंतजाम, जिस प्रकार से गंगा नदी में जलस्तर ऊँचा होने पर बाढ़ की स्थिति हुयी थी तो एक तरह से हमलोगों ने फुड कैम्प लंगर जैसा भी चलवाया था, वह भी चलवाया जायेगा। उन्होंने कहा कि अभी तक जो हमलोगों ने देखा है कि आगे जो पानी कटिहार में फैल सकता है, उसके लिये भी सब चीजों का आकलन करके तैयारी हो रही है। हमलोग युद्धस्तर पर रिलिफ का काम

चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आज हवाई सर्वेक्षण में गये थे और हमने कह दिया था कि सारे जिलाधिकारी अपने काम में रहेंगे। हमने पूर्णिया में आपदा प्रबंधन मंत्री, प्रभारी सचिव, आयुक्त इनलोगों के साथ चर्चा की है। अभी तुरंत अधिकारियों को बैठक के लिये बुलाया गया है और आगे जो करना है, उस पर चर्चा तथा दिशा–निर्देश देंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि जो पानी गॉव में घुसा है, उसे निकलने में थोड़ा वक्त लगेगा, इसके लिये रिलिफ की पूरी तैयारी और जो भी नुकसान हुआ है, उसके लिये भी हमलोग भरपाई की पूरी कोशिश करेंगे, सब तरह की सहायता करेंगे। उन्होंने कहा कि जो भी आधारभूत संरचना का नुकसान हुआ है, उसको फिर से रिस्टोर करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि हर स्तर पर कार्रवाई प्रारंभ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे ज्यादा अररिया और किशनगंज का बड़ा हिस्सा, पूर्णिया का तीन ब्लॉक और अभी तक कटिहार का एक ब्लॉक प्रभावित हुआ है लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावित अररिया के शहर में, फारबिसगंज में तथा किशनगंज मे पानी घुसा है और अनेक गॉवों में भी पानी घुसा है। इसके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता है कि अररिया और किशनगंज में चारो तरफ पानी फैल सकता है। कभी लोगों का अनुभव इस प्रकार का नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि इसके लिये कल ही केन्द्र सरकार से एन0डी0आर0एफ0 की टीम का आग्रह किया था। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री एवं रक्षा मंत्री से कल ही बात की थी और मैं केन्द्र सरकार को धन्यवाद देता हूॅ कि जो भी हमने आग्रह किया था, वह बहुत जल्द ही सहायता मिल गयी। एन0डी0आर0एफ0 की चार टीम पहुॅच गयी। आज भी एन0डी0आर0एफ0 की टीम पहुॅची है। हमलोगों को जो खबर मिली है, उसके अनुसार सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी, चम्पारण के दोनों जिलों के बारे में जानकारी मिली है, वहॉ भी एन0डी0आर0एफ0 की टीम डिस्पैच की जा रही है। पहले से जो हमारे पास राज्यस्तरीय एस0डी0आर0एफ0 की टीम है, केन्द्र की एन0डी0आर0एफ0 टीम उसका डिपलायमेंट और अतिरिक्त छह एन0डी0आर0एफ0 की टीम आ गयी है, उसको भी डिस्ट्रब्यूट कर दिया गया है। आर्मी का भी कॉलम पूर्णिया इलाके में डिपलायड है ही, आर्मी का डिपलायमेंट चम्पारण और सीतामढ़ी में भी करेंगे। उन्होंने कहा कि जो भी जरूरी कार्रवाई है, रेस्क्यू से लेकर रिलिफ तक, वह सब काम युद्धस्तर पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि बहुत ज्यादा वर्षा होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुयी है किन्तु यह तो नेचर और कुदरत का है लेकिन इसके बाद जो भी लोगों को सहायता एवं राहत पहुॅचाने के लिये और नुकसान को एक हद तक कम करने के लिये जो भी कार्रवाई होगी, हमलोग करेंगे।

मुख्यमंत्री ने हवाई सर्वेक्षण से लौटने के तुरंत बाद 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, प्रधान सचिव पथ निर्माण, प्रधान सचिव आपदा प्रबंधन, सचिव ग्रामीण कार्य के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिये।

******